आनन्द
धाम
गौड़ीय
आश्रम,
वृन्दावन

सदा जपिये—

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे॥

और खुश रहिए।